श्रीलक्ष्मणाचार्य की संस्कृत रचना नामरामायण से...

|| युद्धकाण्डः ||

रावणनिधनप्रस्थित राम।। वानरसैन्यसमावृत राम।।
शोषितसरिदीशर्थित राम।। विभीषणाभयदायक राम।।
पर्वतसेतुनिबन्धक राम।। कुम्भकर्णशिरच्छेदक राम।।
राक्षससङ्घविमर्दक राम।। अहिमहिरावणचारण राम।।
संहृतदशमुखरावण राम।। विधिभवमुखसुरसंस्तुत राम।।
खस्थितदशरथवीक्षित राम।। सीतादर्शनमोदित राम।।
अभिषिक्तविभीषणनत राम।। पुष्पकयानारोहण राम।।
भरद्वाजादिनिषेवण राम।। भरतप्राणप्रियकर राम।।
साकेतपुरीभूषण राम।। सकलस्वीयसमानत राम।।
रत्नलसत्पीठास्थित राम।। पट्टाभिषेकालङ्.कृत राम।।
पार्थिवकुलसम्मानित राम।। विभीषणार्पितरङ्.क राम।।
कीशकुलानुग्रहकर राम।। सकलजीवसंरक्षक राम।।
समस्तलोकाधारक राम।।
राम राम जय राजा राम। राम राम जय सीता राम।।

.....क्रमशः

नामरामायण संस्कृत में ऋषि वाल्मीकि द्वारा रचित महाकाव्य रामायण का लघु संस्करण है। इसके रचयिता श्रीलक्ष्मणाचार्य हैं। नामरामायण में वाल्मीकि रामायण के ही समान बाल, अयोध्या, किष्किन्धा, सुंदर, युद्ध और उत्तरकाण्ड हैं। उर्पयुक्त सात काण्डों में वर्गीकृत इस ग्रंथ में भगवान राम के संपूर्ण जीवन चरित्र को 108 नामों के माध्यम से चित्रित किया गया है। नामरामायण दक्षिण भारतीय राज्यों अर्थात तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में अधिक लोकप्रिय हैं। प्रस्तुत अंक में नामरामायण का युद्ध काण्ड उद्धृत है।